४०२/२८६

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - ६ जून, २०१०)

(समय : दोपहर २:०० से ४:१५)

सत्संग प्रवेश - २

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : ७५**

विभाग-१ : किशोर सत्संग प्रवेश - प्रथम संस्करण, जून - १९९७

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''तुम्हारे लड़के को प्रकट भगवान मिलने का योग है ।'' (५७)

२. ''हम तो बाई, रोटी और मसालाभरी हरी मिर्च ही खाएँगे ।'' (३६)

३. ''इससे हम को क्या लाभ ?'' (६८)

प्र.२ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. देवजीभाई की बात सुनकर सन्तों को आश्चर्य हुआ । (२५)

२. भावनगर के वजेसिंह बापूने सगराम को मिलने के लिए बुलाया । (१५)

३. सभी सत्संगियों को हमेशा शाम को मन्दिर जाना चाहिए । (५)

प्र.३ 'व्यापकानन्द स्वामी ।' (१६) - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** [५]

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [५]

१. महाराज बोचासण कितनी बार पधारे थे ? (३२)

२. सच्चिदानन्द स्वामीने चातुर्मास में कौन से दो नियम लिए ? (६२)

३. सारे जीव कहाँ पड़े हैं ? (२६)

४. मुरदानव ने किस के साथ युद्ध किया ? (४३)

५. जीवनभर कण्ठी अपने गले में पहनने से क्या होता है ? (२)

प्र.५ 'प्रह्लादजी ने.....' (७६) - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए ।** [५]

प्र.६ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । [८]

१. छपैयापुरमां ..... उपजावता हो । (७७)

२. नाथ ! निरन्तर ..... वस्तु सात । (२२)

३. दुष्प्राप्यमन्यैः ..... नमामि । (२०)

४. कार्य न सहसा ..... सताम् । (६६) - **श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।**

विभाग-२ : शास्त्रीजी महाराज - प्रथम संस्करण, जून - १९९७

प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''वही अड़सठ तीरथवाला भजन गाइये ।'' (८०)

२. ''यह अपराध समझा गया है ।'' (२७)

३. ''शास्त्रीजी तो पादरा गये हैं ।'' (६१)

प्र.८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. भगतजी यज्ञपुरुषदासजी को कभी नहीं उठाते । (२५)

२. विज्ञानानन्द और डुंगर भक्त की प्रेमगाँठ बँध गई । (१४)

३. शास्त्रीजी महाराज ने गुणातीतानन्द स्वामी की मूर्ति से प्रार्थना की ''हे स्वामी ! आपके लिए ही तो हमलोग वडताल से निकल गये ।'' (६४)

प्र.९ 'गुणातीत-समाधि स्थान में मन्दिर ।' (८३) **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** [५]

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [५]

१. यज्ञपुरुषदास के जन्माक्षर देखकर ज्योतिषी ने क्या कहा ? (२१)

२. साधुओं ने कब समाधान की चर्चा करने को आचार्य को कहा ? (७८)

३. सारंगपुर में शास्त्रीजी महाराज ने किस लिए बड़ा द्वार बनवाया ? (९२)

४. नगरसेठ हिंमतलालभाई ने लीमड़ी के ठाकुरसाहब को क्या कहा ? (७३)

५. सारंगपुर जाते समय अहमदाबाद स्टेशन पर स्वामीश्री ने हरिभक्तों को क्या कहा ? (१००)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग प्रवेश-२**'' परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

दिनांक महीना साल

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **[६]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. शास्त्रीजी महाराज सारंगपुर आते थे तब नारायणस्वरूपदास के पास क्या कहलवाते थे ? (८८)

(१) ☐ हरिलीलामृत (२) ☐ हरिलीलाकल्पतरु

(३) ☐ भक्तचिंतामणि (४) ☐ निष्कुलानंद काव्य

२. शास्त्री नारायणस्वरूपदासजी कौन सी उम्र में संस्था के प्रमुख बने ? (९६)

(१) ☐ २५ (२) ☐ २८ (३) ☐ २७ (४) ☐ २९

३. डुंगर भक्त को बचपन में किस के आशीर्वाद मिले थे ? (२)

(१) ☐ गुणातीतानंद स्वामी (२) ☐ गोपालानंद स्वामी

(३) ☐ शुकानंद स्वामी (४) ☐ योगानंद स्वामी

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । **[६]**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : दिल की सफाई का साधन : कोठारी ने राजकोट कथा करने की आज्ञा की, इसमें तीन हेतु थे - पुरानो की पढ़ाई हो, गोंडल के पास होने से गोपालानंद स्वामी के कृपापात्र अदाश्री का सम्पर्क बना रहे ।

उत्तर : दिल की सफाई का साधन : भगतजी ने राजकोट **पढ़ने** की आज्ञा की, इसमें **दो** हेतु थे - **संस्कृत** की पढ़ाई हो, **जूनागढ़** के पास होने से **गुणातीतानंद स्वामी** के कृपापात्र **जागा भक्त** का सम्पर्क बना रहे ।

१. **मन्दिर और सत्संग से अलग नहीं है :** आप कहते हैं तो मैं मानता हूँ कि स्वयं श्रीजीमहाराज कह रहे हैं सही है । (५५)

२. **विद्यारम्भ :** वे तुझे नड़ियाद की संस्कृत पाठशाला में पढ़ाकर वडोदरा राज्य का बड़ा दीवान बनाएँगे । (१०)

३. **वडताल के साथ समाधान की चर्चा :** महुवा से वैष्णव भक्त शिवलाल सेठ आये थे । वे अक्षरपुरुषोत्तम की मूर्तियों की प्रतिष्ठा करवाना चाहते थे । (७९)

४. **सच्चे गुरुभक्त :** जूनागढ में जलझीलणी के समैया के अवसर पर प्रागजी भक्त को आमंत्रित करने के लिए उन्होंने गोरधनदास कोठारी को निवेदन किया । (३७)

५. **परिवर्तन :** श्रीजीमहाराज ने शर्त रखी कि ''सभी भगवे कपड़े पहनकर साधु हो जायें तो आप भोजन करने के लिए तैयार हो ।'' (६०)

६. **गुरुहरि का प्रथम जयन्ती महोत्सव :** स्वामीश्री की ८० वीं जयन्ती अटलादरा में धूमधामपूर्वक मनाने का संकल्प मणीभाई सलाडवाले ने किया । (८९)

❋ ❋ ❋

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ४ जुलाई, २०१० के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।